MT - 115

2014 .... 1100 **Seat No.** | | | | | | | |

MT - 115 - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - II - PAPER - VI

Time : 2 Hours **(Pages 3)** **Max. Marks : 40**

सूचना : शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

प्रश्न 1. अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए : **3**

1) मुंशी जी का गली-मुहल्ले में निकलना ..... हो गया। (मुहाल /मुश्किल / आसान)
2) यह उन दिनों की बात है, जब लोगों के चेहरे ..... से चिकने नहीं थे। (क्रीम पावडर / हर्बल)
3) भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसका ..... है। (बाँकपन /लचीलापन /सूक्ष्मता)

आ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पाठों के आधार पर एक - एक वाक्य में उत्तर लिखिए। **3**

1) साँप की प्रार्थना सुनकर भगवान ने क्या किया ?
2) आत्माराम जी ने किस बात का आयोजन किया था ?
3) मदर टेरेसा को भारतीय नागरिकता कब प्राप्त हुई ?
4) राजा प्रजा का पालन कैसे करता था?
5) ऊदबिलाव कैसा प्राणी था ?

इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए। **6**

1) मदरसे में मुंशी जी क्यों परेशान हुए ?
2) रेल के बारे में व्यंग्य करते हुए लेखक ने क्या कहा है ?
3) 'माँ' जैसे पवित्र रिश्ते से देश को संबंधित करने से कौन - सा लाभ हुआ है ?
4) कुलपुत्र ने घोड़ों के व्यापारियों से पैसे कैसे कमाए ?

प्रश्न 2. क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियाँ पूर्ण कीजिए : **2**

1) ज्यों ही ..... मास लगता है। (चैत / भादो / सावन)
2) नाचो - गाओ ..... मचाओ। (शोर /धूम / हो - हल्ला)

ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए : **2**

1) विश्वविजेता मानव आज क्या खो बैठा है ?
2) कोकिल के रंग के लिए किसकी उपमा दी गई है ?
3) नदी किसमें निर्मल जल भरती है ?

ग) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए : **6**

1) गुरुनानक जी ने 'झूठी प्रीत' से दूर रहने की सलाह क्यों दी है ?
2) कोकिल किसानों की कैसी मदद करती है ?
3) नदी कौन - कौन - से काम करती है ? हमें उससे क्या प्रेरणा मिलती है ?
4) स्वतंत्रता दिवस और दीवाली का त्योहार दोनों में मिलनेवाले आनंद का वर्णन कवि ने कैसे किया है ?

प्रश्न 3. च) i) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य के रेखांकित विकारी या अविकारी शब्द का शब्दभेद लिखिए : **1**

1) उसकी ऐसी गरीबी देखकर मेरा हृदय पसीज उठा ।
2) आपकी खातिर मुझे कड़ी मेहनत करनी पड़ी ।

ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक अविकारी (अव्यय) शब्द का सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

1) उफ ! 2) सदैव

छ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए : **2**

1) तू मेरे जहर के दाँत निकाल ले । (पूर्ण भूतकाल)
2) साँप ने अनुमतिपूर्वक दाँत निकलवा दिए । (सामान्य भविष्यकाल)
3) रथ तुम्हें पीछे हटाना पड़ेगा । (सामान्य भूतकाल)

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों के कालभेद पहचानिए :

1) क्लास छोड़कर घर चले गए ।
2) मैं सेना में भरती हो जाऊँगा ।
3) एक स्थान पर बाँध बन रहा है ।

ज) i) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से किसी एक वाक्य को शुद्ध कीजिए : **1**

1) मैं किसी का अनीष्ट करना नहीं चाहता है ।
2) सच, कितने महान थे मदर टेरेसा !

ii) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> शब्द को शुद्धाक्षरी या हिंदी की मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए। 1

1) मुंशीजी 2) आंख

झ) निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं दो</u> मुहावरों का अर्थ लिखकर स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्यों में प्रयोग कीजिए। 2

1) सिसकारी छोड़ना । 2) खून खौलना ।
3) अभिभूत हो उठना ।

प्रश्न 4. निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर रोचक एवं मुहावरेदार भाषा में लगभग 150 शब्दों में निबंध लिखिए : 6

1) बादल की आत्मकथा । 2) अस्पताल में एक घंटा ।
3) यदि मैं प्रधानाध्यापक होता .....। 4) श्रम का महत्त्व ।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए : 4

1) प्रेम / प्रतिमा वर्मा **4** / सी रूप दर्शन, रामपुर, थाना से स्वास्थ्य अधिकारी नगर परिषद, थाना को अपने मुहल्ले की गंदगी की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए शिकायत पत्र लिखता / लिखती है ।
2) रमेश / रमा पांडे, इंद्रानगर, फिरोजपुर से व्यवस्थापक, सोनिया औषधि भंडार, राजीव चौक, जालंधर को घरेलू औषधियाँ वी.पी.पी. द्वारा मँगवाते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर <u>एक - एक वाक्य में हो</u> :

विद्यार्थी के लिए शिक्षक ही उसका आदर्श होता है, लेकिन भीड़-भरी कक्षाओं में शिक्षक के लिए यह संभव नहीं हो पाता कि वह अपने प्रत्येक विद्यार्थी और उसकी समस्याओं को व्यक्तिगत रूप से जान सके। कार्य में अत्यधिक बोझ और शिक्षापद्धति की औपचारिकताओं को पूरा करने में ही उसकी संपूर्ण शक्ति व समय समाप्त हो जाता है । विद्यार्थी केवल इस कुंठा से ही ग्रसित नहीं रहते कि उनका शिक्षक उनका नाम तक नहीं जानता, बल्कि अपनी संपूर्ण असुविधाओं का कारण भी शिक्षकों की उदासीनता ही समझते हैं । शिक्षा के क्षेत्र में संपूर्ण देश के लिए कोई समान नीति न होने से भी विद्यार्थियों के आक्रोश में वृद्धि होती है । वर्तमान शिक्षा नौकरशाही बाबू तैयार करती है लेकिन जब अपनी आयु का आधा भाग डिग्री प्राप्त करने के पश्चात दर-दर भटकने के बाद भी उसे कहीं रोजगार प्राप्त नहीं होता तो वह उग्र रूप धारण कर लेता है ।

Best Of Luck

MT - 115

2014 1100

MT - 115 - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - II - PAPER - VI

Time : 2 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 40**

सूचना :	**शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।**	
उ.**1**.	**अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :**	
1)	मुंशी जी का गली-मुहल्ले में निकलना **मुहाल** हो गया।	**1**
2)	यह उन दिनों की बात है, जब लोगों के चेहरे **क्रीम - पावडर** से चिकने नहीं थे।	**1**
3)	भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसका **लचीलापन** है।	**1**
	आ) निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित पाठों के आधार पर एक - एक वाक्य में उत्तर लिखिए।	
1)	साँप की प्रार्थना सुनकर भगवान ने एक सँपेरे को भेज दिया।	**1**
2)	आत्माराम जी ने गोपाल, कैलाश और मोहन के लिए जलपान का आयोजन किया था।	**1**
3)	मदर टेरेसा को सन 1948 में भारतीय नागरिकता प्राप्त हुई।	**1**
4)	राजा प्रजा का पालन धर्म और न्याय के साथ करता था।	**1**
5)	ऊदबिलाव बहुत बुद्धिमान प्राणी था।	**1**
	इ) निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए।	
1)	सुप्रसिद्ध लेखक 'लक्ष्मीचंद्र गुप्त' जी ने 'मुहावरे और मुंशी जी की सनक' पाठ में हास्य और व्यंग्यात्मक शैली में मुहावरों के अर्थपूर्ण उपयोग पर प्रकाश डाला है। मुंशी जी मुहावरों के व्यर्थ और बेतुके प्रयोग पर अपना आपा खो देते थे। इसी के चलते उनके हाथों अपनी ही बेटी की खूब धुलाई हो गई थी। परिणामतः अपने ही गली - मुहल्ले में लोगों द्वारा अपमान और तिरस्कार झेलना पड़ा था। इस घटना के एक सप्ताह बाद किसी तरह वे विद्यालय पहुँचे तो वहाँ भी उन्हें मुहावरे पढ़ाने के लिए सूचित किया गया। मुंशी जी अब अपने मुहावरे - प्रेम से खुद का पीछा छुड़ाना चाहते थे लेकिन मुहावरे उनके जीवन में बिन मौसम बरसात की तरह बार - बार आ रहे थे। ठीक उसी समय पास की कक्षा में छात्रों ने खूब शोर मचाया हुआ था, जिससे मुंशी जी विचलित हो गए। इस प्रकार मदरसे में भी मुहावरों द्वारा पीछा किए जाने से मुंशी जी परेशान हुए।	**3**

2)	सुप्रसिद्ध लेखक 'शंकर पुणतांबेकर' जी ने 'एक रेल सफर की बात' पाठ में भारतीय रेल यात्रा में होने वाली असुविधाओं पर करारा व्यंग्य किया है। लेखक के अनुसार एक समय रेलसफर भी खेलसफर हुआ करता था लेकिन दुर्भाग्य से आज वह जेलसफर बन चुका है। यात्रा आरक्षण में ही यात्रियों को यातना आरक्षण के लिए लोहे के चने चबाने पड़ते हैं। यात्रियों को घंटों कतार में खड़े रहने पर हिमालय की चोटी रूपी टिकट खिड़की तक पहुँच पाना संभव हो पाता है। हालात यहाँ तक बदत्तर है कि कुछ लोग तो आरक्षण के लिए रात - रात भर वहीं पड़े रहने के लिए मजबूर है। रेलवे की घोषणाएँ भी अविश्वसनीय होती जा रही है। देर से आने वाली गाड़ी को भी समय पर आने वाली गाड़ी के रूप में घोषित किया जाता है। सामान्य आदमी के लिए तो डिलक्स या राजधानी गाड़ी दुर्लभ ही रही है। टिकट खिड़की पर 'जेबकतरों' से सावधान रहने की सूचना लिखी रहती है जबकि प्लेटफॉम पर लगे विज्ञापन भी जनता के लिए 'जेबखतरे' बनते जा रहे हैं। इस प्रकार लेखक ने रेल व्यवस्था की अव्यवस्था के बारे में बड़े चुटीले व्यंग्य किए है।	**3**
3)	सुप्रसिद्ध लेखक 'विजय अग्रवाल' जी ने 'राष्ट्रीय एकता' पाठ में देश की 'विविधता में एकता' के भाव को दर्शाया है। भारतवासी प्राचीन काल से ही भारत देश की धरती को अपनी 'माँ' के समान सम्मान देते आए हैं। इस बेजोड़ रिश्ते का ही परिणाम है कि यह देश अनंत काल से सांस्कृतिक रूप में अखंड रह पाया है। देश के सभी धर्माचायों ने राष्ट्र की एकता को सर्वोपरि माना है। भारत पर शक, हूण, कुषाण जैसी जातियों ने कई बार आक्रमण किए परंतु राष्ट्रीय एकता की भावधारा के कारण देश को तोड़ने में सफल नहीं हो पाए बल्कि वे स्वयं यहाँ की संस्कृति में रच - बस गए। इस प्रकार 'माँ' जैसे पवित्र रिश्ते से देश को संबोधित करने के कारण ही भारत एक अखंड राष्ट्र के रूप में कायम रह पाया।	**3**
4)	सुप्रसिद्ध लेखक डॉ. 'जगदीशचंद्र जैन' जी ने दो लघुकथाएँ पाठ में मानव जीवन के महान मूल्यों की सीख देने का सफल प्रयास किया है। चतुर कुलपुत्र ने स्थल कर्मचारियों से मित्रता की। एक दिन उसे उन कर्मचारियों द्वारा सूचना मिली कि अगले दिन पाँच सौ घोड़े लेकर घोड़ों के व्यापारी नगर में आने वाले हैं। यह जानकारी मिलते ही कुलपुत्र ने उसकी प्याऊ पर रोज पानी पीने वाले घसियारों से घास के गट्ठर मँगवाए और उन्हें लेकर नगर के दरवाजे पर बैठ गया। घोड़ों के व्यापारियों ने सारे नगर में घास - दाने की बहुत खोज की परंतु उन्हें कहीं भी कुछ नहीं मिला। तब वे व्यापारी नगर के दरवाजे पर बैठे कुलपुत्र के पास आए। उन्होंने उससे एक सहस्त्र घास के गट्ठर खरीदे। इस सौदे में कुलपुत्र को एक सहस्त्र मुद्राएँ मिलीं। इस प्रकार कुलपुत्र ने घोड़ों के व्यापारियों से पैसे चतुराई से कमाए।	**3**
उ.**2**.	**क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियाँ पूर्ण कीजिए :**	
1)	ज्यों ही **चैत** मास लगता है।	**1**
2)	नाचो - गाओ **धूम** मचाओ।	**1**

ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए :

1) विश्वविजेता मानव आज अपना हृदय खो बैठा है। **1**

2) कोकिल के रंग के लिए श्रीकृष्ण और जामुन के रंग की उपमा दी गई है। **1**

3) नदी घाटियों रूपी गहरे कटोरों में निर्मल जल भरती है। **1**

ग) निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए :

1) संतकवि 'नानकदेव' जी ने 'संतवाणी' कविता में मानवजीवन में निरपेक्षता का महत्त्व तथा झूठ - मूठ का प्रेम करने वाले झूठे लोगों का वर्णन किया है। **3**

नानक जी जग की प्रीत को झूठा मानते हैं। नानक जी के अनुसार जग में सभी लोग अपने ही सुख के पीछे लगे रहते हैं। चाहे कोई रिश्तेदार हो या मित्र, सभी अपनेपन और मित्रता का झूठा दिखावा करते हैं। असल बात यह है कि वे सभी अपना ही फायदा सभी बातों में ढूँढते रहते हैं। जब हमारे जीवन में कोई संकट आता है कोई भी रिश्तेदार या मित्र मदद का हाथ नहीं बढ़ाता, सभी झूठे बहाने बनाते हैं। इसके बावजूद हमारा मन चंचल होता है, मूर्ख होता है। मानव मन इस कड़वे सच को समझता ही नहीं बल्कि झूठे प्रेम में उलझता ही रहता है और अंत में उसे सच्ची प्रीत हासिल नहीं होती।

इसप्रकार संतकवि नानक जी ने झूठी प्रीत से दूर रहने के लिए सलाह दी है क्योंकि जग की झूठी प्रीत छोड़कर, सच्चे प्रेम और सुख के लिए प्रभु गीतों में लीन होकर, उसमें अपने हृदय को डूबोकर इस संसार रूपी भवसागर को पार करने में सफलता मिल सकती हैं।

2) सुप्रसिद्ध कवि 'महावीर प्रसाद द्विवेदी' जी ने 'कोकिल' कविता में पक्षीजगत की एक आकर्षक पक्षी कोयल का वर्णन किया है। **3**

कोयल एक अद्भुत चिड़िया है। उसकी ख्याति मधुरता से कूकना ही है। वंशी जैसी अपनी मधुर तान से वह सबके दिल में जगह बना लेती है। उसके कई गुणों में से एक मनभावन गुण यह भी है कि जब चैत के महीने में खेतों में लहलहाती फसलों में कीड़े लग जाते हैं। इन कीड़ों से अनाज की फसलें नष्ट हो सकती है। अनाज की ये फसलें ही किसान को अन्नदाता बनाती है, किसान के जीवन को सजाती और सँवारती है। इन फसलों के तबाह होने से किसानों की उम्मीदें टूट सकती है। अनाज के पौधों में लगनेवाले कीड़ों को कोयल अपना भोजन बनाकर फसलों को सुरक्षित रखती है।

इस प्रकार कोकिल कीड़ों को खाकर, फसल के पौधे की रक्षा करते हुए किसानों की मदद करती है।

3) सुप्रसिद्ध कवयित्री 'संयुक्ता लूदरा' जी ने 'नदी हूँ मैं' कविता में नदी के अखंड और अथक प्रवाह का वर्णन किया है। **3**

प्रकृति माता के परोपकारी रूप की झलक हमें नदी के रूप में मिलती है। वह अनुपजाऊ (बंजर) भूमि को भी उर्वरक बना देती है। नदी अपने किनारे नए नगरों, नई बस्तियों और सभ्यताओं

	को फलने - फूलने का मौका देती है । नदी के किनारे सभी प्राणियों को अन्न - जल मिलते रहने से अत्यधिक तृप्ति मिलती है । मुश्किलों से डरकर उन्नति की राह पर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा नदी ही देती है । नदी की तरह हमें हमेशा आगे बढ़ते रहना चाहिए । सतत मेहनत, परोपकार और साहस के बल पर अपने जीवन को सार्थकता प्रदान करने की प्रेरणा नदी ही हमें देती है । इस प्रकार नदी जनहित के असंख्य कल्याणकारी कार्य करती हैं और उससे हमें हमेशा जीवन में आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा मिलती है ।	
4)	सुप्रसिद्ध कवि 'सोहनलाल द्विवेदी' जी ने 'फिर प्यारा त्योहार आ गया' कविता में दीपावली त्योहार के आनंदोत्सव की तरह स्वतंत्रता दिवस को मनाने का संदेश दिया है । कवि कहते हैं कि देशवासी बड़े उत्साह से आजादी का उत्सव मना रहे हैं । हर मार्ग पर खुशियों का उजाला फैला हुआ है । जिस तरह दीवाली के समय दीपक जलाए जाते हैं, उसी तरह आज पंद्रह अगस्त के दिन देशवासियों की खुशियों के दीपक जगमगा रहे हैं । पूरे देश में इनसे जगमगाहट छा रही है । चारों ओर देशवासियों के खुशियों का माहौल है । जिस प्रकार दीवाली में जगह - जगह पटाखे फोड़कर खुशी जाहिर की जाती है, उसी प्रकार आज आजादी के दिन खेल - तमाशों ने धूम मचा रखी है । सभी देशवासियों के चेहरों पर उत्साह की चमक नजर आ रही है । इस प्रकार कवि ने स्वतंत्रता दिवस और दीवाली का त्योहार दोनो में मिलने वाले आनंद का मनमोहन वर्णन किया है ।	**3**
उ.**3**.	**च) i) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य के रेखांकित विकारी या अविकारी शब्द का शब्दभेद लिखिए :**	
1)उ.	<u>उसकी</u> - सर्वनाम	**1**
2)उ.	<u>खातिर</u> - अव्यय	**1**
	ii) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> अविकारी (अव्यय) शब्द का सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए :	
1)उ.	**<u>उफ !</u>** आज कितनी गर्मी है ।	**1**
2)उ.	मदर टेरेसा स्वेच्छा से **<u>सदैव</u>** भारत भूमि पर रच - बस गई ।	**1**
	छ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए :	
1)उ.	<u>तूने</u> मेरे जहर के दाँत निकाल <u>लिए थे ।</u>	**1**
2)उ.	साँप अनुमतिपूर्वक दाँत निकलवा <u>देगा ।</u>	**1**
3)उ.	रथ तुम्हें पीछे हटाना <u>पड़ा ।</u>	**1**
	अथवा	

	निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों के कालभेद पहचानिए :	
1)उ.	सामान्य भूतकाल	**1**
2)उ.	सामान्य भविष्यकाल	**1**
3)उ.	अपूर्ण वर्तमानकाल	**1**
	ज) i) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य को शुद्ध कीजिए :	
1)उ.	मैं किसी का अनिष्ट करना नहीं <u>चाहता हूँ</u> ।	**1**
2)उ.	सच, <u>कितनी</u> महान <u>थी</u> मदर टेरेसा !	**1**
	ii) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> शब्द को शुद्धाक्षरी या हिंदी की मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए ।	
1)उ.	मुंशी जी	**1**
2)उ.	आँख	**1**
	झ) निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं दो</u> मुहावरों का अर्थ लिखकर स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।	
1)उ.	**सिसकारी छोड़ना** – व्याकुलता से दीर्घ श्वास लेना । **वाक्य :** बढ़ती हुई मँहगाई के कारण जनता सिर्फ <u>सिसकारी छोड़ने के</u> लिए मजबूर है ।	**1**
2)उ.	**खून खौलना** – क्रोधित हो उठना । **वाक्य :** पाकिस्तान द्वारा भारतीय सैनिकों की निर्मम हत्या करने पर भारतीयों का <u>खून खौलने लगा</u> ।	**1**
3)उ.	**अभिभूत हो उठना** – प्रभावित होना । **वाक्य :** आचार्य जी की बातों से सभी छात्र <u>अभिभूत हो उठे</u> ।	**1**
उ.**4**.	**निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर रोचक एवं मुहावरेदार भाषा में लगभग 150 शब्दों में निबंध लिखिए :**	
1)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 58 - Q.7	**6**
2)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 69 - Q.17	**6**
3)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 86 - Q.35	**6**
4)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 83 - Q.32	**6**
उ.**5**.	**निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए :**	
1)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 32 - Q.4	**4**
2)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 34 - Q **अथवा**	**4**

	निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक - एक वाक्य में हो :	
उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 2 - Page No. 17 - Q.3	4

❖❖❖❖